ओ३म्

गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

संस्कृत विभाग

शिक्षा सत्र 2015- 16 से आरब्ध

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

आधृत विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स)

Vidyalankar (B.A. Sanskrit honours)

स्नातकस्तरीय त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

का

संशोधित स्वरूप

वर्ष 2019-20 से प्रभावी

विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स) पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स) स्नातक स्तरीय त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम है। समस्त विश्व का प्राच्यविद्यानिष्णात अधीती मनीषी विद्वान् इस तथ्य से सुपरिचित है कि संस्कृत-भाषा विश्व की सर्वोत्कृष्ट एवं अपनी शब्द-संरचना से कथ्य को स्पष्ट कर देने वाली सुपरिष्कृत भाषा है। इसे प्रायः समस्त भाषाओं की जननी के रूप में भी अभिषिक्त किया जाता है। इसका व्याकरण विश्व की भाषाओं में बेजोड़ है। इसमें विद्यमान विविध प्रकार का ज्ञानविज्ञान अनुपम एवं अद्वितीय है। इसमें उपलब्ध वाङ्मय का अध्ययन छात्र को अध्यात्म की ऊँचाइयों को प्राप्त करवाने में जहाँ समर्थ है वहीं लौकिक धरा पर सर्वविध सौख्य का संवाहक भी। अतः गुरुकुलीय पृष्ठभूमि के अनुरूप छात्रों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हुए इस पाठ्यक्रम के द्वारा संस्कृतनिष्ठ ज्ञान-विज्ञान से उन्नत होने के लिए स्नातक स्तर पर सर्वजनहिताय एक उर्वरा भूमि तैयार करना इसका मूल उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम अध्ययन का परिणाम-

तीन वर्षों के इस पाठ्यक्रम का निर्माण इसप्रकार से किया गया है कि छात्र इसके अध्ययन से जहाँ संस्कृत भाषा में निश्चयेन वाचन, लेखन और सम्भाषण करने में प्रवीण होगा। वहीं निम्न बिन्दुओं के अनुसार विद्यार्थी में परिणाम भी चरितार्थ होंगे ऐसा कहा जा सकता है। यथा-

- संस्कृतभाषा में निहित पद्य, गद्य, नीति आदि काव्यों के विविध स्वरूपों से वह परिचित होता हुआ और तदनुरूप प्रगति करता हुआ अपने भावी जीवन को खुशहाल बनाने में समर्थ होगा।
- संस्कृतनिष्ठ प्राचीन वैज्ञानिक तथ्यों से सुपरिचित होगा।
- प्राचीन इतिहास को जानने के लिए संस्कृतसाहित्य एक अत्युत्तम उपाय है, अतः उत्कीर्ण संस्कृत शिलालेखों के अध्ययन से प्राचीन भारत को अच्छे से समझ सकेगा।
- आयुर्वेद प्राचीन भारत की स्वास्थ्य से सम्बन्धित धरोहर है, उसको जानकर अपने एवं अपने परिवार के जीवन में सुखसम्पदा लाने में समर्थ होगा।
- समाज में उन्नत नैतिक मूल्यों का सम्वाहक होगा।
- पाठ्यक्रम में पदे - पदे पढ़ाए जाने वाले जीवन के अन्तिम लक्ष्य से परिचित हो तदनुरूप जीवन-यापन करने से निश्चयेन हर प्रकार से निर्द्वन्द्व हो जी पायेगा।

गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

संस्कृत विभाग

(CBCS)

आधृत विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रथम वर्ष के दो सत्रों- प्रथम एवं द्वितीय का प्रारूप

विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स) का यह पाठ्यक्रम त्रिवर्षीय है। प्रथम वर्ष दो सत्रात्मक तथा प्रथम एवं द्वितीय सत्र के रूप में प्रायः छः छः मास का होगा। इसके अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय दोनों सत्रों में चार चार पत्रों अर्थात् कुल आठ पत्रों के अध्यापन की संकल्पना है। दोनों सत्रों में दो दो पत्र संस्कृत विषय के होंगे और दो दो अन्य विषयों से। अन्य विषयों में प्रथम सत्र में **पर्यावरण विज्ञान** से सम्बद्ध एक पत्र होगा और दूसरा पत्र छात्र **वेद/दर्शन/योग/प्राचीन भारतीय इतिहास/राजनीति विज्ञान आदि किसी भी एक विषय के (Generic Elective) GE के प्रश्न पत्रों में से** अपनी अभिरुचि के अनुसार चुन कर पढने के लिए स्वतन्त्र होगा। इसी प्रकार द्वितीय सत्र में छात्र संस्कृत के दो पत्रों से अतिरिक्त **तृतीय पत्र अंग्रेजी का** और **चतुर्थ** पूर्ववत् अपनी अभिरुचि का पढेगा। प्रत्येक पत्र कुल 100, 100 अंक का होगा। इन 100 अंकों में भी निर्धारित मानदण्डों के अनुसार प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 अंक का मूल्याङ्कन सत्रान्त परीक्षा के माध्यम से होगा, जिसमें परीक्षा के लिए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 3, 3 घण्टे में देनें होंगे। एवं 30 अंक का मूल्याङ्कन अध्यापक के द्वारा आन्तरिक परीक्षा पर आधृत होगा और क्रेडिट की दृष्टि से 06, 06 क्रेडिट का होगा, इसप्रकार कुल मिलाकर दोनों सत्रों के कुल अंकों का योग 100×4×2 = 800 रहेगा और क्रेडिट की दृष्टि से 6×4×2 = 48 का होगा।

द्वितीय वर्ष के दो सत्रों- तृतीय एवं चतुर्थ का प्रारूप

त्रिवर्षीय इस पाठ्यक्रम का द्वितीय वर्ष भी दो सत्रात्मक तथा तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के रूप में संकल्पित है। इनका भी प्रायः छः छः मास का काल है। इनके अन्तर्गत तृतीय एवं चतुर्थ दोनों सत्रों में पाँच पाँच पत्र कुल 10 पत्रों की पाठ्यसामग्री निर्धारित है। एक अन्य विशेष पत्र भी **भारतीय ज्ञानपरम्परा** के नाम से तृतीय सत्र में अनिवार्यरूपेण विश्वविद्यालय की परम्परा के अनुरूप पढ़ने के लिए संयुक्त किया गया है। इसप्रकार **ग्यारह पत्रों** वाले इस वर्ष के पाठ्यक्रम में दोनों सत्रों में **तीन तीन** पत्र मुख्य पाठ्यक्रम से सम्बद्ध रखे गये हैं अर्थात् कुल छः पत्रों के अध्यापन की संकल्पना मुख्य विषय के अन्तर्गत है। प्रत्येक पत्र कुल 100, 100 अंक का होगा। 100 अंकों का विभाजन भी परीक्षक द्वारा निर्धारित मानदण्डों के अनुसार प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 अंक का मूल्याङ्कन सत्रान्त परीक्षा के माध्यम से होगा, जिसमें परीक्षा के लिए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तीन तीन घण्टे में देनें होंगे। एवं 30 अंक का मूल्याङ्कन अध्यापक के द्वारा आन्तरिक परीक्षा पर आधृत होगा और क्रेडिट की दृष्टि से 06, 06 क्रेडिट का प्रत्येक पत्र होगा, इसप्रकार कुल मिलाकर दोनों सत्रों के कुल अंकों का योग 100×3×2 = 600 रहेगा और क्रेडिट की दृष्टि से 6×3×2 = 36 का होगा। छः पत्रों से अतिरिक्त दोनों सत्रों में ही **एक एक** पत्र **कौशल अभिवृद्धि वैकल्पिक पाठ्यक्रम** (Skill Enhancement Elective Course) (SEC) के भी रखे गये हैं।

इसके पत्रों का मूल्याङ्कन भी पूर्व पत्रों की तरह 70+30 के आधार पर होगा। दोनों सत्रों के दोनों पत्रों के अंकों का योग 100×1×2 = 200 रहेगा और क्रेडिट की दृष्टि से 4×1×2 = 08 का होगा। दोनों सत्रों में एक एक पत्र प्रथम एवं द्वितीय सत्र के अनुरूप **Generic Elective** का पढ़ना होगा। जिसे छात्रों ने **वेद/दर्शन/योग/प्राचीन भारतीय इतिहास/राजनीति विज्ञान आदि किसी भी एक विषय में से** अपनी अभिरुचि के अनुसार चुन कर गत वर्ष पढा था। दोनों सत्रों के दोनों पत्रों के अंकों का योग 100×1×2 = 200 रहेगा और क्रेडिट की दृष्टि से 6×1×2 = 12 का होगा। तृतीय सत्र में के नाम से अतिरिक्त एवं अनिवार्य पाठ्यक्रम की रूपरेखा भी विश्वविद्यालय की गरिमा के अनुसार निर्धारित है। इस पत्र का मूल्याङ्कन भी 70+30 के आधार पर 100 अंक का होगा और क्रेडिट की दृष्टि से 04 क्रेडिट का होगा।

तृतीय वर्ष के दो सत्रों- पञ्चम एवं षष्ठ का प्रारूप

त्रिवर्षीय इस पाठ्यक्रम का तृतीय वर्ष भी दो सत्रात्मक तथा पञ्चम एवं षष्ठ सत्र के रूप में संकल्पित है। इनका भी प्रायः छः छः मास का काल है। इसके अन्तर्गत पञ्चम एवं षष्ठ दोनों सत्रों में चार चार पत्रों अर्थात् कुल आठ पत्रों के अध्यापन की संकल्पना है। दोनों सत्रों में दो दो पत्र अर्थात् कुल चार पत्र मुख्य पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हैं और दो दो पत्र अर्थात् कुल चार पत्र विशिष्ट शिक्षण वैकल्पिक (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE) (DSE) के अन्तर्गत पाठ्यविषय के रूप में निर्धारित किए गये हैं। प्रत्येक पत्र 100 अंक का होगा, जिसमें परीक्षा के लिए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 3 घण्टे में देनें होंगे। प्रश्न पत्र में निर्धारित मानदण्डों के अनुसार पूर्व वर्षों की तरह अंको के निर्धारण में 70 अंक का मूल्याङ्कन सत्रान्त परीक्षा के माध्यम से एवं 30 अंक का मूल्याङ्कन अध्यापक के द्वारा आन्तरिक परीक्षा पर आधृत होगा और क्रेडिट की दृष्टि से 06 क्रेडिट का होगा, इसप्रकार कुल मिलाकर दोनों सत्रों के कुल अंकों का योग 100×4×2 = 800 रहेगा और क्रेडिट की दृष्टि से 6×4×2 = 48 का होगा।

CBCS आधृत विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स)

Vidyalankar (B.A. Sanskrit honours)

स्नातकस्तरीय पाठ्यक्रम

संशोधित पाठ्यक्रम - 2019-20 से प्रभावी

प्रथम सत्र Semester- Ist

मुख्य पाठ्यक्रम Core course

A Core Course, which should compulsorily be studied by a candidate

Subject Code	पाठ्यक्रम शीर्षक Subject Title	Period Per Week		Evaluation Scheme				Subject Total
				Sessional			ESE	
		L	T	Credit	CT	TA		
HSA- C111	संस्कृत-साहित्य (पद्य काव्य) Classical Sanskrit Literature(Poetry)	5	1	6	20	10	70	100
HSA- C112	संस्कृतसाहित्य का समालोचनात्मक सर्वेक्षण Critical Survey of Sanskrit Literature	5	1	6	20	10	70	100
			कुल =12 Credit				कुल = 200 अंक	
Ability enhancement compulsory course (AECC) **An elective Course Chosen generally from an unrelated discipline/ Subject.** **इसके अन्तर्गत सम्बद्ध विभाग से सम्पर्क कर छात्र निम्नलिखित पत्र का अध्ययन कर सकेंगे।**								
BEN- A101	Environmental science	5	1	6	20	10	70	100
			कुल = 06 Credit				कुल = 100 अंक	

Generic Elective Papers (Any one)

An elective Course Chosen generally from an unrelated discipline/ Subject.

निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र को अन्य किसी भी विषय के छात्र चयन कर सकेंगे।

HSA-G111	आधारभूत संस्कृत Basic Sanskrit	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G112	भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक–समस्याएँ Indian Culture and Social Issues	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G113	संस्कृत एवं अन्य आधुनिक भारतीय भाषाएँ Sanskrit and Other Modern Indian Languages	5	1	6	20	10	70	100
				कुल = 06 Credit				कुल = 100 अंक

नोट- संस्कृत ऑनर्स के छात्र को वेद/दर्शन/योग/प्राचीन भारतीय इतिहास/राजनीति विज्ञान आदि विषयों के GE के प्रश्न पत्रों में अपनी अभिरुचि के अनुसार किसी एक पत्र का अनिवार्य रूप से चयन करना होगा।

द्वितीय- सत्र Semester- IInd

मुख्य पाठ्यक्रम Core course

A Core Course, which should compulsorily be studied by a candidate

HSA-C211	संस्कृत साहित्य (गद्य काव्य) Classical Sanskrit Literature(Prose)	5	1	6	20	10	70	100
HSA-C212	गीता में आत्मप्रबन्धन Self Management in Gita	5	1	6	20	10	70	100
				कुल =12 Credit				कुल = 200 अंक

Ability enhancement compulsory course (AECC)

An elective Course Chosen generally from an unrelated discipline/ Subject.

इसके अन्तर्गत सम्बद्ध विभाग से सम्पर्क कर छात्र निम्नलिखित एक पत्र का अध्ययन कर सकेंगे।								
BEG- A201	English communication/MIL/	5	1	6	20	10	70	100
				कुल =06 Credit				कुल = 100 अंक

Generic Elective Papers (Any one)

An elective Course Chosen generally from an unrelated discipline/ Subject.

निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र को अन्य विषय के छात्र चयन करेंगे।

HSA-G211	भारतीय-चिकित्सा-व्यवस्था के मौलिक-सिद्धान्त (आयुर्वेद) Basic Principles Of Indian Medicine System (Ayurveda)	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G212	भारतीयललितकलाशास्त्र (सौन्दर्यशास्त्र) Indian Aesthetics	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G213	भारतीय दर्शन के मौलिक सिद्धान्त Fundamentals Of Indian Philosophy	5	1	6	20	10	70	100
				कुल =06 Credit				कुल = 100अंक

नोट- संस्कृत ऑनर्स के छात्र को वेद/दर्शन/योग/प्राचीन भारतीय इतिहास/राजनीति विज्ञान आदि विषयों के GE के प्रश्न पत्रों में अपनी अभिरुचि के अनुसार किसी एक पत्र का अनिवार्य रूप से चयन करना होगा।

तृतीय सत्र Semester IIIrd

मुख्य पाठ्यक्रम Core course

A Core Course, which should compulsorily be studied by a candidate

HSA-C311	शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (नाटक) Classical Sanskrit Literature(Drama)	5	1	6	20	10	70	100
HSA-C312	संस्कृत काव्यशास्त्र और साहित्यिक समीक्षा	5	1	6	20	10	70	100

	Poetics and Literary Criticism							
HSA-C313	भारतीय सामाजिक संस्थाएँ और राजनीति Indian Social Institutions and Polity	5	1	6	20	10	70	100
				क्रेडिट 18			कुल = 300 अंक	
Skill Enhancement Elective Course (SEC) Any one **SEC courseis value and skill based. This course Aimed at providing hands on training, Competencies, Skills, etc** **निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र को संस्कृत ऑनर्स के छात्र एवं अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र भी चयन कर सकते हैं।**								
HSA-S311	अभिनय एवं पटकथा लेखन Acting and Script Writing	3	1	4	20	10	70	100
HSA-S312	ब्राह्मी लिपि की पठन दक्षता Reading Skills in Brahmi Scripts	3	1	4	20	10	70	100
				क्रेडिट 04			कुल =100 अंक	

Generic Elective Papers (Any one)

An elective Course Chosen generally from an unrelated discipline/ Subject.

निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र का अन्य विषय के छात्र चयन करेंगे।

HSA-G311	प्राचीन भारतीय राजतन्त्र Ancient Indian Polity	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G312	भारतीय पुरालेख एवं प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन Indian Epigraphy & Paleography	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G313	संस्कृत हेतु कम्प्यूटर अनुप्रयोग Computer Applications For Sanskrit	5	1	6	20	10	70	100
				कुल =06 Credit			कुल = 100अंक	

नोट- संस्कृत ऑनर्स के छात्र को वेद/दर्शन/योग/प्राचीन भारतीय इतिहास/राजनीति विज्ञान आदि विषयों के GEके प्रश्न पत्रों में अपनी अभिरुचि के अनुसार किसी एक पत्र का अनिवार्य रूप से चयन करना होगा।

भारतीय ज्ञानपरम्परा (BKT)

विशेष- तृतीय सत्र में इस पत्र को अतिरिक्त पत्र के रूप में सभी छात्रों को पढ़ना अनिवार्य है।

इस प्रश्न-पत्र को प्राचीन भारतीय ज्ञान- विज्ञान से छात्रों को परिचित कराने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम में समाहित किया गया है।

BKT-A311	**भारतीय ज्ञानपरम्परा** **Bharateeya Jnanaparampara**	**3**	**1**	**4**	**20**	**10**	**70**	**100**
				कुल =4 Credit			**कुल =100 अंक**	

चतुर्थ सत्र Semester IVth

मुख्य पाठ्यक्रम Core Course

A Core Course, Which should compulsorily be studied by a candidate

HSA-C411	भारतीय पुरालेख, प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन एवं कालक्रम Indian Epigraphy, Paleography and Chronology	5	1	6	20	10	70	100
HSA-C412	आधुनिक संस्कृत साहित्य Modern Sanskrit Literature	5	1	6	20	10	70	100
HSA-C413	संस्कृत और विश्व साहित्य Sanskrit and world Literature	5	1	6	20	10	70	100
				कुल =18 Credit				कुल =300 अंक

Skill Enhancement Elective Course (SEC)

Any one SEC course is value and skill based. This course Aimed at providing hands on training, Competencies, Skills etc.

निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र को संस्कृत ऑनर्स के छात्र एवं अन्य पाठ्यक्रमों के छात्र भी चयन कर सकते हैं।

HSA-S411	मशीनी अनुवाद : उपकरण और तकनीक Machine Translation : Tools and Techniques	3	1	4	20	10	70	100
HSA-S412	भारतीय लिपियों का विकास Evolution Of Indian Scripts	3	1	4	20	10	70	100
HSA-S413	संस्कृत छन्द और संगीत Sanskrit Meters and Music	3	1	4	20	10	70	100

				कुल =06 Credit				कुल =100 अंक
Generic Elective Papers (Any one) **An elective Course Chosen generally from an unrelated discipline/ Subject.** **निम्नलिखित पत्रों में से किसी भी एक पत्र को अन्य विषयों के छात्र चयन करेंगे। परन्तु संस्कृत ऑनर्स के छात्र वेद/दर्शन/प्राचीन भारतीय इतिहास/ राजनीति विज्ञान विषयक GE पत्र का अध्ययन करेंगे।**								
HSA-G411	भारतीय सामाजिक विचार में व्यक्ति, परिवार एवं समुदाय (समाज) Individual, Family and community In Indian Social Thought	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G412	राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य Nationalism and Indian Literature	5	1	6	20	10	70	100
HSA-G413	भारतीय वास्तुकला प्रणाली Indian Architectural System	5	1	6	20	10	70	100
				कुल =06 Credit				कुल =100 अंक
पञ्चम-सत्र Semester Vth **मुख्य पाठ्यक्रम Core Course** **A Core Course, Which should compulsorily be studied by a candidat**								
HSA-C511	**वैदिक साहित्य** Vedic Literature	5	1	6	20	10	70	100
HSA-C512	संस्कृत व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) Sanskrit Grammar (Laghusiddhantkaumudi)	5	1	6	20	10	70	100

				क्रेडिट - 12				अंक - 200
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE) **any two Elective course may be offered by the main discipline/subject of study** **निम्नलिखित पत्रों में से किन्ही दो पत्रों को संस्कृत ऑनर्स के छात्र चयन कर सकते हैं।**								
HSA-E511	तर्क एवं वाद की भारतीय पद्धति Indian System of Logic and Debate	5	1	6	20	10	70	100
HSA-E512	सन्तुलित जीवन की कला Art of Balanced Living	5	1	6	20	10	70	100
HSA-E513	रंगमंच और नाट्यशास्त्र Theatre and Dramaturgy	5	1	6	20	10	70	100
HSA-E514	संगणकीय संस्कृत भाषा के लिये उपकरण एवं तकनीक Tools and Techniques for Computing Sanskrit Language	5	1	6	20	10	70	100
				कुल =12 Credit				**कुल =200अंक**
षष्ठ –सत्र Semester VIth **मुख्य पाठ्यक्रम Core Course** **A Core Course, Which should compulsorily be studied by a candidate**								
HSA-C611	भारतीय सत्तामीमांसा और ज्ञानमीमांसा Indian Ontology and Epistemology	5	1	6	20	10	70	100
HSA-C612	संस्कृत लेखन एवं सम्प्रेषण Sanskrit Composition and Communication	5	1	6	20	10	70	100
				Credit- 12				अंक - 200

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE) any two Elective course may be offered by the main discipline/subject of study								
HSA-E611	संस्कृत भाषाविज्ञान Sanskrit Linguistics	5	1	6	20	10	70	100
HSA-E612	संस्कृत के लिए संगणकीय भाषाविज्ञान Computational Linguistics for Sanskrit	5	1	6	20	10	70	100
HSA-E613	आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्त Fundamentals of Ayurveda	5	1	6	20	10	70	100
HSA-E614	संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागरूकता Environmental Awareness in Sanskrit Literature	5	1	6	20	10	70	100
				कुल = 12 Credit				**कुल = 200 अंक**

L= Lecture T= Tutorial CT = Cumulative Test TA= Teacher Assessment ESE -= End Semester Examination

गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार

संस्कृत विभाग

(CBCS)

आधृत विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स)

पाठ्यक्रम के

प्रथम वर्ष के दो सत्रों- प्रथम एवं द्वितीय का प्रारूप

विद्यालङ्कार (बी. ए. संस्कृत ऑनर्स) का यह पाठ्यक्रम त्रिवर्षीय है। प्रथम वर्ष दो सत्रात्मक तथा प्रथम एवं द्वितीय सत्र के रूप में प्रायः छः छः मास का होगा। इसके अन्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय दोनों सत्रों में चार चार पत्रों अर्थात् कुल आठ पत्रों के अध्यापन की संकल्पना है। दोनों सत्रों में दो दो पत्र संस्कृत विषय के होंगे और दो दो अन्य विषयों से। अन्य विषयों में प्रथम सत्र में **पर्यावरण विज्ञान** से सम्बद्ध एक पत्र होगा और दूसरा पत्र छात्र **वेद/दर्शन/योग/प्राचीन भारतीय इतिहास/राजनीति विज्ञान आदि किसी भी एक विषय के (Generic Elective) GE के प्रश्न पत्रों में से** अपनी अभिरुचि के अनुसार चुन कर पढने के लिए स्वतन्त्र होगा। इसी प्रकार द्वितीय सत्र में छात्र संस्कृत के दो पत्रों से अतिरिक्त **तृतीय पत्र अंग्रेजी का** और **चतुर्थ** पूर्ववत् अपनी अभिरुचि का पढेगा। प्रत्येक पत्र कुल 100, 100 अंक का होगा। इन 100 अंकों में भी निर्धारित मानदण्डों के अनुसार प्रत्येक प्रश्न पत्र में 70 अंक का मूल्याङ्कन सत्रान्त परीक्षा के माध्यम से होगा, जिसमें परीक्षा के लिए पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 3, 3 घण्टे में देनें होंगे। एवं 30 अंक का मूल्याङ्कन अध्यापक के द्वारा आन्तरिक परीक्षा पर आधृत होगा और क्रेडिट की दृष्टि से 06, 06 क्रेडिट का होगा, इसप्रकार कुल मिलाकर दोनों सत्रों के कुल अंकों का योग 100×4×2 = 800 रहेगा और क्रेडिट की दृष्टि से 6×4×2 = 48 का होगा।